B.A. PROGRAMME

(THREE YEAR FULL TIME PROGRAMME)

Subject − SANSKRIT DISCIPLINE

Paper No. 1 SANSKRIT GRAMMAR & TEXT
संस्कृत व्याकरण एवं ग्रन्थ

Paper No. 2 SANSKRIT POETRY, PROSE & HISTORY OF SANSKRIT LITERATURE
संस्कृत पद्यकाव्य, गद्यकाव्य एवं संस्कृत साहित्य का इतिहास

Paper No. 3 SANSKRIT GRAMMAR & COMPOSITION
संस्कृत व्याकरण एवं रचना

Paper No. 4A SANSKRIT DRAMA & HISTORY OF SANSKRIT LITERATURE
संस्कृत नाटक एवं संस्कृत साहित्य का इतिहास

OR

4B INDIAN THEATRE AND DRAMATURGY
भारतीय रंगमंच एवं नाट्यकला

Paper No. 5 A SOCIAL THOUGHT IN SANSKRIT LITERATURE
संस्कृत साहित्य में सामाजिक भावना

OR

5 B CULTURE, PHILOSOPHY & RELIGION IN ANCIENT INDIA
प्राचीन भारत की संस्कृति; धर्म एवं दर्शन

Paper No. 6 GRAMMAR, EPISTEMOLOGY & MANAGEMENT
व्याकरण, प्रमाणमीमांसा एवं प्रबन्धन

DEPARTMENT OF SANSKRIT
FACULTY OF ARTS
UNIVERSITY OF DELHI
DELHI-110007

2010

Paper 1 – **Sanskrit Grammar & Text**

संस्कृत व्याकरण एवं ग्रन्थ

Maximum Marks: 100 (75 + 25)

[A] निर्धारित पाठ्यक्रम (Prescribed Course)

भाग 'क' शब्द-रूप, धातु-रूप, सन्धि और वाच्य-परिवर्तन

भाग 'ख' कारक एवं विभक्ति

भाग 'ग' वाक्य-रचना

भाग 'घ' अपरीक्षितकारक - पञ्चतन्त्र (विष्णुशर्मा)

[B] अन्विति-विभाजन (Unitwise Division)

भाग 'क'

(शब्द-रूप, धातु-रूप, सन्धि और वाच्यपरिवर्तन)

अन्विति 1 **शब्द-रूप** - राम (अकारान्त पुल्लिङ्ग), सखि (इकारान्त पुल्लिङ्ग), पितृ (ऋकारान्त पुल्लिङ्ग), गो (ओकारान्त पुल्लिङ्ग), फल (अकारान्त नपुसंकलिङ्ग), वारि (इकारान्त नपुसंकलिङ्ग), मधु (उकारान्त नपुसंकलिङ्ग), लता (आकारान्त स्त्रीलिङ्ग), मति (इकारान्त स्त्रीलिङ्ग), नदी (ईकारान्त स्त्रीलिङ्ग), धेनु (उकारान्त स्त्रीलिङ्ग), वधू (ऊकारान्त स्त्रीलिङ्ग), मातृ (ऋकारान्त स्त्रीलिङ्ग), वाच् (चकारान्त पुल्लिङ्ग), मरुत् (तकारान्त पुल्लिङ्ग), सरित् (तकारान्त स्त्रीलिङ्ग), जगत् (तकारान्त नपुसंकलिङ्ग), आत्मन् (नकारान्त पुल्लिङ्ग)

सर्वनाम शब्द - अस्मद्, युष्मद्, तत् (पुल्लिङ्ग, स्त्रीलिङ्ग व नपुसंकलिङ्ग), इदम् (पुल्लिङ्ग, स्त्रीलिङ्ग व नपुसंकलिङ्ग), एतत् (पुल्लिङ्ग, स्त्रीलिङ्ग व नपुसंकलिङ्ग), यत् (पुल्लिङ्ग, स्त्रीलिङ्ग व नपुसंकलिङ्ग)

संख्यावाची शब्द - एक से दस संख्या तक 5 hrs.

अन्विति 2 **धातु-रूप** - निम्नलिखित धातुएँ लट्, लृट्, लङ्, लोट् व विधिलिङ् लकारों में- पठ्, पच्, भू, कृ, अस्, अद्, हन्, दिव्, तन्, तुद्, सु, रुध्, क्री, चुर् व सेव् 5 hrs.

अन्विति 3 **स्वर-सन्धि** (यण्, अयादि, गुण, वृद्धि, पूर्वरूप, पररूप व प्रकृतिभाव) के उदाहरण संस्तुत पुस्तकों के आधार पर। 10 hrs.

अन्विति 4 **वाच्य-परिवर्तन** - कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य व भाववाच्य के सरल उदाहरण 5 hrs.

भाग 'ख'

(कारक एवं विभक्ति)

अन्विति 1 'कारक' शब्द का अर्थ, संख्या, विभक्तियाँ, प्रयोग तथा उपपद विभक्तियाँ 10 hrs.

भाग 'ग'

(वाक्यरचना)

अन्विति 1 प्रदत्त शब्दों के आधार पर लघु-वाक्य-संरचना 10 hrs.

भाग 'घ'

(अपरीक्षितकारक)

अन्विति 1 अपरीक्षितकारक - पञ्चतन्त्र (विष्णुशर्मा) 25 hrs.

[C] प्रश्नपत्र का सामान्य प्रारूप एवं अङ्कविभाजन

(Basic Structure of Question Paper & Division of Marks)

(i)	भाग 'क' की प्रथम अन्विति में दिये गये शब्द, सर्वनाम और संख्यावाची शब्दों में विभक्ति का प्रयोग	3+2+1 = 6
	विभक्तियुक्त पदों में विभक्ति की पहचान	3+2+1 = 6
(ii)	द्वितीय अन्विति में प्रदत्त धातुओं का भिन्न लकारों में प्रयोग तथा तिङन्त पदों में लकार, वचन आदि की पहचान	6+6 = 12
(iii)	तृतीय अन्विति में स्वर-सन्धि तथा सन्धिविच्छेद के उदाहरण	3 + 3 = 6
(iv)	चतुर्थ अन्विति में वाच्य-परिवर्तन के उदाहरण	5
(v)	भाग 'ख' में कारक पर आधारित शुद्ध-अशुद्ध तथा प्रयुक्त विभक्ति का कारण-निर्देश	7
(vi)	भाग 'ग' में दिये गये शब्दों का वाक्यों में प्रयोग	8
(vii)	भाग 'घ' : अनुवाद तथा पठितांश पर आधारित व्याख्या व प्रश्न	25
	कुल अङ्क	**= 75**

नोट - प्रश्नपत्र में प्रश्न इस प्रकार से पूछे जाएँगे, जिससे प्रत्येक अन्विति के विषयों को युक्तियुक्त रूप में सम्मिलित किया गया हो।

[D] संस्तुत पुस्तकें (Recommended Books)

मूल ग्रन्थ

- *पञ्चतन्त्रम्* (विष्णु शर्मा)- (व्या०) श्यामाचरण पाण्डेय (संस्कृत हिन्दी व्याख्या सहित), मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1975.
  – A Collection of Ancient Hindu Tales, Johannes Hertel, 1908.

– (ed.) Franklin Edgerton.
– (ed. and trans.) M.R. Kale, Motilal Banarasidass, Delhi, 1999.
– (trans.) Chandra Rajan, Penguin Classics, Penguin Books, 2005.

सहायक ग्रन्थ

- द्विवेदी, कपिलदेव – *रचनानुवाद-कौमुदी*, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2008.
- नौटियाल, चक्रधर हंस – *बृहद्-अनुवाद* – चन्द्रिका, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1977.
- मिश्र, कमलाकान्त – *व्याकरणसौरभम्*, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, दिल्ली, 1979.
- मिश्रा, मधुसूदन – *प्रारम्भिक संस्कृत व्याकरण*, शिप्रा पब्लिकेशन्स, दिल्ली.
- शास्त्री, आचार्य राम – *संस्कृत-शिक्षण-सरणी*, परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली.
- शास्त्री, चारुदेव – *अनुवाद-कला अथवा वाग्व्यवहारादर्श*, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली.
  – *व्याकरणचन्द्रोदय*, खण्ड 1-5, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली.
- Apte, V.S. – *The Students' Guide to Sanskrit Composition* (also Hindi version), Chowkhambha Sanskrit Series Office, Varanasi.
- Kale, M.R. – *Higher Sanskrit Grammar*, Motilal Banarsidass, Delhi, 1977.
- Whitney, William Dwight – *Sanskrit Grammar*, Dover Publications, 2003.
- Macdonell, Arthur Anthony – *A Sanskrit Grammar for Students*, Motilal Banarsidass, Delhi, 1988.

Paper 2 – Sanskrit Poetry, Prose & History of Sanskrit Literature
संस्कृत पद्यकाव्य, गद्यकाव्य एवं संस्कृत साहित्य का इतिहास

Maximum Marks: 100 (75 + 25)

[A] निर्धारित पाठ्यक्रम (Prescribed Course)

भाग 'क' **रघुवंश** (कालिदास) प्रथम सर्ग, **पद्यसंख्या 1-35**

भाग 'ख' **नीतिशतकम्** (भर्तृहरि) **पद्यसंख्या 1-25**

भाग 'ग' **शुकनासोपदेश** (बाणभट्ट)

भाग 'घ' संस्कृत-साहित्य का इतिहास

[B] अन्विति-विभाजन (Unitwise Division)

भाग 'क'

(रघुवंश)

अन्विति 1 रघुवंश, प्रथम सर्ग (पद्य-संख्या 1-35)

[वागर्थाविव सम्पृक्तौ (1-1) से अथाभ्यर्च्य विधातारम् (1-35) तक]

20 hrs.

भाग 'ख'

(नीतिशतकम्)

अन्विति 1 नीतिशतकम् (पद्य संख्या 1-31)

मङ्गलाचरण (1), मूर्खपद्धति (2-11), विद्वत्पद्धति (12-21) व मानशौर्यपद्धति (22-31) **20 hrs.**

भाग 'ग'

(शुकनासोपदेश)

अन्विति 1 शुकनासोपदेश **20 hrs.**

भाग 'घ'

(संस्कृत-साहित्य का इतिहास)

अन्विति 1 संस्कृत साहित्य का इतिहास - महाकाव्य, गद्यकाव्य व कथा साहित्य का उद्भव और विकास **10 hrs.**

[C] प्रश्नपत्र का सामान्य प्रारूप एवं अङ्कविभाजन

(Basic Structure of Question Paper & Division of Marks)

(i) भाग 'क', 'ख' की अन्विति से दो-दो पद्यों का अनुवाद तथा भाग 'ग' की अन्विति से दो गद्यांशों का अनुवाद 6 x 3 = 18

(ii) भाग 'क', 'ख' की अन्विति से एक-एक पद्य की व्याख्या 7 x 2 = 14

(iii) भाग 'ग' की अन्विति से पाठ्यांश पर आधारित व्याख्येय किन्हीं दो शब्दों पर टिप्पणियाँ यथा - तिमिरान्धता, क्षीरसागर, कौस्तुभमणि, नारायण, संक्रान्ति, राहुजिह्वा इत्यादि 2½ + 2½ = 5

(iv) भाग 'क', 'ख' व 'ग' में पूछे गये पद्यों व गद्यांशों में से रेखाङ्कित पदों पर व्याकरणात्मक टिप्पणियाँ (पेपर-1 में

पठित व्याकरण के आधार पर) 5

(v) भाग 'क', 'ख', 'ग' से एक-एक समीक्षात्मक प्रश्न (ग्रन्थ व ग्रन्थकार से सम्बद्ध) तथा भाग 'घ' से एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न अथवा तीन संक्षिप्त टिप्पणियाँ 7+7+7+12 = 33

कुल अङ्क = 75

नोट - प्रश्नपत्र में प्रश्न इस प्रकार से पूछे जाएँगे, जिससे प्रत्येक अन्विति के विषयों को युक्तियुक्त रूप में सम्मिलित किया गया हो।

[D] संस्तुत पुस्तकें (Recommended Books)

मूल ग्रंथ

- *नीतिशतकम्* (भर्तृहरि)
  - विमलचन्द्रिका संस्कृत टीका व हिन्दी-व्याख्या सहित, (व्या०) विष्णुदत्त शर्मा शास्त्री, ज्ञान प्रकाशन, मेरठ, संवत् 2034.
  - संस्कृत टीका, हिन्दी व अंग्रेजी व्याख्यानुवाद सहित, (व्या०) तारिणीश झा, रामनारायणलाल बेनीमाधव, इलाहाबाद, 1976.
  - मनोरमा हिन्दी-व्याख्या सहित, (व्या०) ओमप्रकाश पाण्डेय, चौखम्बा अमरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 1982.
  - (सम्पा०) बाबूराम त्रिपाठी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा, 1986.

रघुवंशम् (कालिदास)
  - मल्लिनाथकृत संस्कृत व्याख्या तथा हिन्दी अनुवाद व व्याख्या सहित, (व्या०) रामचन्द्र शुक्ल, इलाहाबाद, 1961.
  - (प्रथम सर्ग) मल्लिनाथकृत सञ्जीवनी टीका, हिन्दी व अंग्रेजी अनुवाद व व्याख्या सहित, (टीका०) रामचन्द्र शुक्ल, रामनारायणलाल बेनीमाधव, इलाहाबाद, 1969.
  - edited with the commentary of Mallinātha, English and Hindi translation and notes by M.R. Kale, Bombay.

शुकनासोपदेश (बाणभट्ट) – भानुचन्द्रसिंह कृत संस्कृत टीका तथा हिन्दी व्याख्या व अनुवाद सहित, (व्या०) प्रह्लाद कुमार, मेहरचन्द लछमनदास, दिल्ली, 1974.

– (व्या०), रामनाथ शर्मा 'सुमन', साहित्य भण्डार, मेरठ, 1968.

– Critically edited with English & Hindi translation by Rama Saksena, Bharati Publications, Indore, 1973.

सहायक ग्रंथ

- ऋषि, उमाशंकर शर्मा – *संस्कृत-साहित्य का इतिहास,* चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी, 1999.
- तिवारी, रमाशंकर – *नाटककार कालिदास और काव्यकार कालिदास,* परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 2001.
- त्रिपाठी, रमाशंकर – *संस्कृत-साहित्य का प्रामाणिक इतिहास,* कृष्णदास अकादमी, वाराणसी, 1996.
- त्रिपाठी, राधावल्लभ – *संस्कृत-साहित्य का अभिनव इतिहास,* विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी.
- द्विवेदी, हजारीप्रसाद – *कालिदास की लालित्ययोजना,* राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1970.
- पाण्डेय, अमरनाथ – *बाणभट्ट का साहित्यिक अनुशीलन,* भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी, 1974.
- माईणकर, टी.जी. – *संस्कृतभाषा एवं साहित्य का संक्षिप्त इतिहास,* राष्ट्रीय शैक्षिणक अनुसन्धान और प्रशिक्षण परिषद्, 1978.
- व्यास, भोलाशंकर – *संस्कृतकविदर्शन,* चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी.
- Dasgupta, S.N. – *A History of Sanskrit Literature: Classical Period*, University of Calcutta, 1977.
- Karmarkar, R.D. – *Bāṇa*, Karnataka University, Dharwar, 1964.
- Keith, Arthur Berriedale – *A History of Sanskrit Literature*, Motilal Banarsidass, Delhi, 1996.
- Krishnamachariar, M. – *History of Classical Sanskrit Literature*, Motilal Banarasidass, Delhi, 1989.
- Macdonell, Arthur A. – *A History of Sanskrit Literature*, 2004.

- Neeta Sharma – *Bāṇa: A Study*, Delhi.
- Shastri, Gauri Natha – *A Concise History of Classical Sanskrit Literature*, Motilal Banarasidass, Delhi, 1998.

Paper 3 – Sanskrit Grammar & Composition
संस्कृत व्याकरण एवं रचना

Maximum Marks: 100 (75 + 25)

[A] निर्धारित पाठ्यक्रम (Prescribed Course)

भाग 'क'	**लघुसिद्धान्तकौमुदी** - वरदराज, (माहेश्वरसूत्र एवं संज्ञाप्रकरण)
भाग 'ख'	निबन्ध, अनुवाद एवं अपठित गद्यांश
भाग 'ग'	समास, कृत् प्रत्यय, तद्धित प्रत्यय, संख्या एवं संख्येयवाची शब्द
भाग 'घ'	छन्द
भाग 'च'	अलङ्कार

[B] अन्विति-विभाजन (Unitwise Division)

भाग 'क'
(लघुसिद्धान्तकौमुदी)

अन्विति 1 माहेश्वरसूत्र, प्रत्याहारों की रचना — 3 hrs.

अन्विति 2 संज्ञाप्रकरण - सूत्र, वृत्ति, उदाहरण सहित सूत्रों की व्याख्या, उच्चारण-स्थान तथा परिभाषाएँ, यथा - उपदेश, सवर्ण, संहिता, संयोग आदि; दिये गये वर्णों की पहचान यथा - अनुनासिक, महाप्राण आदि — 5 hrs.

भाग 'ख'
(निबन्ध, अनुवाद, एवं अपठित गद्यांश)

अन्विति 1 निबन्धलेखनकला

संस्कृत साहित्य के महत्त्वपूर्ण विषयों यथा - कालिदासः, रामायणम्, श्रीमद्भगवद्गीता, वेदाः इत्यादि एवं समसामयिक विषयों यथा - राजनीति, मनोरञ्जन, क्रीडा आदि पर लघु निबन्ध — 10 hrs.

अन्विति 2 संस्कृत भाषा में अनुवाद करने के नियम -

(क) कारक एवं विभक्ति सम्बन्धी नियम

(ख) वाच्यपरिवर्तन - कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य एवं भाववाच्य

(ग) समस्तपदों व संख्याओं का प्रयोग

(घ) शतृ, शानच्, क्त, क्तवतु, कृत्य, तद्धित आदि प्रत्ययों का प्रयोग 10 hrs.

अन्विति 3 हिन्दी/अंग्रेज़ी से संस्कृत में अनुवाद 10 hrs.

अन्विति 4 अपठित संस्कृत गद्यांश/पद्यांश पर आधारित प्रश्न (संस्कृत भाषा में) 5 hrs.

भाग 'ग'

(समास, कृत् एवं तद्धित प्रत्यय, संख्या एवं संख्येय वाली)

अन्विति 1 समास, कृत् प्रत्यय, तद्धित प्रत्यय, संख्या एवं संख्येयवाची शब्दों के उदाहरण, संस्तुत पुस्तकों के आधार पर 12 hrs.

भाग 'घ'

(छन्द)

अन्विति 1 **छन्द** - अनुष्टुप्, उपजाति, वंशस्थ, वसन्ततिलका, शिखरिणी, मालिनी, मन्दाक्रान्ता, आर्या, शार्दूलविक्रीडित व द्रुतविलम्बित 5 hrs.

भाग 'च'

(अलङ्कार)

अन्विति 1 **अलङ्कार** - अनुप्रास, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, श्लेष, दृष्टान्त, निदर्शना, अर्थान्तरन्यास व काव्यलिङ्ग 10 hrs.

[C] प्रश्नपत्र का सामान्य प्रारूप एवं अङ्कविभाजन

(Basic Structure of Question Paper & Division of Marks)

(i)	भाग 'क', अन्विति-1 से पाँच प्रत्याहारों की रचना से संबंधित प्रश्न	5
(ii)	भाग 'क', अन्विति-2 से किसी एक सूत्र की व्याख्या	5
(iii)	भाग 'क', अन्विति-2 से किन्हीं चार वर्णों का उच्चारण-स्थान	2
(iv)	भाग 'क', अन्विति-2 से कोई दो परिभाषाएँ	3+3=6
(v)	भाग 'क', अन्विति-2 से किन्हीं चार वर्णों की पहचान	2
(vi)	संस्कृत भाषा में एक निबन्ध (भाग 'ख' की अन्विति 1 से)	10
(vii)	भाग 'ख', अन्विति-2 के क, ख, ग एवं घ से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ	4+4 = 8
(viii)	भाग 'ख', अन्विति-3 से हिन्दी/अंग्रेज़ी में दिये किसी एक परिच्छेद का संस्कृत में अनुवाद	10
(ix)	भाग 'ख', अन्विति-4 से अपठित गद्यांश/पद्यांश से पाँच प्रश्न	5
(x)	भाग 'ग', अन्विति-1 से समास, कृत् प्रत्यय, तद्धित प्रत्यय, संख्या एवं संख्येयवाची शब्दों का प्रयोग तथा प्रयुक्त पदों की पहचान	8
(xi)	भाग 'घ', अन्विति-1 से किन्हीं दो छन्दों के लक्षण व उदाहरण	6

(xi) भाग 'च', अन्विति-1 से किन्हीं दो अलङ्कारों के लक्षण व उदाहरण 8

कुल अङ्क = 75

नोट - प्रश्नपत्र में प्रश्न इस प्रकार से पूछे जाएँगे, जिससे प्रत्येक अन्विति के विषयों को युक्तियुक्त रूप में सम्मिलित किया गया हो।

[D] संस्तुत पुस्तकें (Recommended Books)

मूल ग्रन्थ

- *लघुसिद्धान्तकौमुदी* – रामनारायणदत्तशास्त्रिणा टिप्पणादिभिः, गीताप्रेस, गोरखपुर, संवत् 2023.
  - – निर्णयसागर प्रेस, मुम्बई.
  - – भाग (1-2) (व्या०) महेशसिंह कुशवाहा, दिल्ली.
  - – भाग (1-3), (व्या०) गोविन्द प्रसाद शर्मा, वाराणसी, 2007.
  - – भाग (1), भैमी व्याख्या, (व्या०) भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन, दिल्ली.
  - – मूल व हिन्दी व्याख्या, (व्या०) धरानन्द शास्त्री, दिल्ली.

सहायक ग्रंथ

- आचार्य, रामकृष्ण – *संस्कृतनिबन्धाञ्जलिः* विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा, 1980.
- द्विवेदी, कपिलदेव – *रचनानुवादकौमुदी,* विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2008.
- द्विवेदी, कपिलदेव – *संस्कृतनिबन्धशतकम्,* विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1980.
- नौटियाल, चक्रधर हंस – *बृहद् अनुवाद चन्द्रिका,* मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1977.
- पाण्डेय, राधामोहन – *संस्कृत सहचर,* स्टूडेण्ट्स फ्रेण्डस, पटना.
- मिश्र, कमलाकान्त – *व्याकरणसौरभम्,* राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसन्धान और प्रशिक्षण परिषद्, 1979.
- मिश्र, जयमन्त – *निबन्धकुसुमाञ्जलि :* , मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1979.

- मिश्रा, मधुसूदन – *प्रारम्भिक संस्कृत व्याकरण,* शिप्रा पब्लिकेशन्स, दिल्ली.
- शास्त्री, आचार्य राम – *संस्कृत शिक्षण-सरणी,* परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली.
- शास्त्री, आत्माराम एवं शास्त्री, – *अभिनव संस्कृत-निबन्ध,* नव एशिया प्रकाशन, दिल्ली.
- शास्त्री, चारुदेव – *अनुवाद-कला अथवा वाग्व्यवहारादर्श,* मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली.
- शास्त्री, चारुदेव – *व्याकरण-चन्द्रोदय,* (खण्ड 1-5), मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली.
- शास्त्री, रामचन्द्र वर्मा – *संस्कृतनिबन्धरत्नावली,* अशोक प्रकाशन, दिल्ली, 1974.
- शास्त्री, लक्ष्मीनारायण – *संस्कृतनिबन्धकला,* आर्य बुक डिपो, दिल्ली, 1981.
- Apte, V.S. – *The Students' Guide to Sanskrit Composition* (also Hindi version), Chowkhamba Sanskrit Series Office, Varanasi.
- Kale, M.R. – *Higher Sanskrit Grammar*, Motilal Banarasidass, Delhi, 1977.
- Macdonell, Arthur Anthony – *A Sanskrit Grammar for Students*, Motilal Banarasidass, Delhi, 1988.
- Whitney, William Dwight – *Sanskrit Grammar*, Dover Publications, 2003.

Paper 4 A – Sanskrit Drama & History of Sanskrit Literature
संस्कृत नाटक एवं संस्कृत साहित्य का इतिहास

Maximum Marks: 100 (75 + 25)

[A] निर्धारित पाठ्यक्रम (Prescribed Course)

भाग 'क' **अभिज्ञानशाकुन्तलम्, चतुर्थ अङ्क** (कालिदास)

भाग 'ख' **दूतवाक्य** (भास)

भाग 'ग' नाट्यशास्त्रीय पारिभाषिक शब्दावली

भाग 'घ' संस्कृत साहित्य का इतिहास

[B] अन्विति-विभाजन (Unitwise Division)

भाग 'क'

(अभिज्ञानशाकुन्तलम्)

अन्विति 1 चतुर्थ अङ्क - अनुवाद, व्याख्या व व्याकरणात्मक टिप्पणियाँ **25 hrs.**

भाग 'ख'

(दूतवाक्यम्)

अन्विति 1 अनुवाद, व्याख्या व व्याकरणात्मक टिप्पणियाँ **25 hrs.**

भाग 'ग'

(नाट्यशास्त्रीय पारिभाषिक शब्दावली)

अन्विति 1 नाटक, नायक, नायिका, पूर्वरङ्ग, नान्दी, सूत्रधार, नेपथ्य, प्रस्तावना, कञ्चुकी, विदूषक, अङ्क, स्वगत, प्रकाश, अपवारित, जनान्तिक, आकाशभाषित, विष्कम्भक, प्रवेशक और भरतवाक्य **10 hrs.**

भाग 'घ'

(संस्कृत साहित्य का इतिहास)

अन्विति 1 संस्कृत साहित्य का इतिहास - ऐतिहासिक काव्य और दृश्य काव्य का उद्भव और विकास **10 hrs.**

[C] प्रश्नपत्र का सामान्य प्रारूप एवं अङ्कविभाजन
(Basic Structure of Question Paper & Division of Marks)

(i)	भाग 'क' और 'ख' की अन्विति से दो-दो पद्यों का अनुवाद	4+4+4+4 = 16
(ii)	भाग 'क' और 'ख' की अन्विति से एक-एक पद्य/पद्यांश/गद्यांश की व्याख्या	7+7 = 14
(iii)	भाग 'क' व 'ख' में पूछे गये पद्यों व गद्यांशों (i & ii) में से रेखाङ्कित पदों पर व्याकरणात्मक टिप्पणियाँ (पेपर-1&3 में पठित व्याकरण के आधार पर)	5
(iv)	भाग 'क' व 'ख' से एक-एक समीक्षात्मक प्रश्न (ग्रन्थ व ग्रन्थकार से सम्बद्ध)	8+8 = 16
(v)	भाग 'ग' से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ	6+6 = 12
(vi)	भाग 'घ' से एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न अथवा तीन संक्षिप्त टिप्पणियाँ	4+4+4 = 12
	कुल अङ्क	**= 75**

नोट - प्रश्नपत्र में प्रश्न इस प्रकार से पूछे जाएँगे, जिससे प्रत्येक अन्विति के विषयों को युक्तियुक्त रूप में सम्मिलित किया गया हो।

[D] संस्तुत पुस्तकें (Recommended Books)

मूल ग्रन्थ

- *अभिज्ञानशाकुन्तलम्* (कालिदास) – (हिन्दी व्या०) बाबूराम त्रिपाठी, रतन प्रकाशन मन्दिर, आगरा, 1985.
  – (हिन्दी व्या०) सुबोधचन्द्र पन्त, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1988.
  – 'पूर्णिमा' हिन्दी-संस्कृत-व्याख्या सहित, (व्या०) रघुबीर शास्त्री, ज्ञान प्रकाशन, मेरठ.
  – भारती संस्कृत-टीका, हिन्दी-अनुवाद और टिप्पणियों सहित, (व्या०) कपिलदेव द्विवेदी आचार्य, रामनारायण लाल बेनीमाधव, इलाहाबाद, 1972.

Abhijñānaśākuntalam (Kālidāsa) – edited by R.D. Karmarkar, with notes and translation in English, Poona, 1952.
– (ed.) M.R. Kale with the commentary of Raghavabhatta, an English translation, notes and supplementary notes by Suresh Upadhyaya, Bombay, 1961.
– edited and translated into English by Sharda Ranjan Ray, Calcutta, 1962.

- *दूतवाक्यम्* (भास) – (हिन्दी व्या०) रामलाल सावल, गयाप्रसाद एण्ड सन्स, आगरा, 1971.
- *भासनाटकचक्रम्* – (प्रथमो भागः) (व्या०) बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा संस्कृत सीरिज़, वाराणसी.

सहायक ग्रन्थ

- उपाध्याय, बलदेव – *संस्कृत-साहित्य का इतिहास,* शारदा निकेतन, वाराणसी, 1975.
- ऋषि, उमाशंकर शर्मा – *संस्कृत-साहित्य का इतिहास,* चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी, 1999.
- तिवारी, रमाशंकर – *नाटककार कालिदास और काव्यकार कालिदास,* परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 2001.
- त्रिपाठी, रमाशंकर – *संस्कृत-साहित्य का प्रामाणिक इतिहास,* कृष्णदास अकादमी, वाराणसी.

- त्रिपाठी, राधावल्लभ – *संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास*, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी.
- द्विवेदी, हजारीप्रसाद – *कालिदास की लालित्य योजना*, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1970.
- माईणकर, टी.जी. – *संस्कृत भाषा एवं साहित्य का संक्षिप्त इतिहास*, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, 1978.
- व्यास, भोलाशंकर – *संस्कृत-कविदर्शन*, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी.
- शशि तिवारी – *संस्कृत साहित्य का इतिहास*, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली, 1999.
- Dasgupta, S.N. – *A History of Sanskrit Literature: Classical Period*, University of Calcutta, 1977.
- Keith, Arthur Berriedale – *A History of Sanskrit Literature*, Motilal Banarasidass, Delhi, 1996.
- Krishnamachariar, M. – *History of Classical Sanskrit Literature*, Motilal Banarasidass, Delhi, 1989.
- Macdonell, Arthur A. – *A History of Sanskrit Literature*, 2004.
- Shastri, Gauri Natha – *A Concise History of Classical Sanskrit Literature*, Motilal Banarasidass, Delhi, 1998.

Paper 4B : Indian Theatre and Dramaturgy

भारतीय रंगमंच एवं नाट्यकला

Max. Marks : 100 (75+25)

[A]	**निर्धारित पाठयक्रम (Prescribed Course)**

भाग - क : रंगमंच : स्वरूप एवं रचनाविधान

भाग - ख : रस-भाव, अभिनय एवं नाट्यवस्तु (पटकथालेखनविधि व संवाद)

भाग - ग : नृत्य-नृत्त, गायन एवं वादनकला

भाग - घ : भारतीय नाट्यपरम्परा एवं रंगमंच का इतिहास

[B] अन्विति विभाजन (Unitwise Divison)

भाग 'क'

(रंगमंच : स्वरूप एवं रचनाविधान)

(सीताराम झा रचित 'नाटक और रंगमंच' तथा भारतेन्दु मिश्र रचित 'भरतकालीन कलायें' पर आधारित)

अन्विति 1 नाट्यमण्डप का स्वरूप, आकार तथा प्रकार -

1. विकृष्ट (आयताकार), 2. चतुरस्र (वर्गाकार), 3. त्र्यस्र (त्रिभुजाकार) मण्डप तथा उनके त्रिविध प्रकार - 1. ज्येष्ठ, 2. मध्यमः तथा 3. कनिष्ठ मण्डप (देखें सीताराम झा, पृ. 171-72 तथा भारतेन्दु मिश्र, पृ. 225-26) 7 hrs.

अन्विति 2 नाट्यमण्डप का रचनाविधान - भूमिशोधन व माप, स्तम्भस्थापन, मत्तवारणीनिर्माण, दारुकर्म, भित्तिकर्म (प्लास्टर, पुतार्ह व चित्रांकन), रंगपीठ, रंगशीर्ष, नेपथ्य-गृह, द्विभूमिनाट्यमण्डप, दर्शकदीर्घा, प्रवेश-निर्गमद्वार (देखें सीताराम झा, पृ. 172-75 तथा भारतेन्दु मिश्र, पृ. 225-52)

8 hrs.

भाग 'ख'

(रस-भाव, अभिनय एवं नाट्यवस्तु (पटकथा लेखन विधि व संवाद)

(राधावल्लभ त्रिपाठी संकलित 'संक्षिप्त नाट्यशास्त्र' एवं हजारी प्रसाद द्विवेदी सम्पादित 'दशरूपक' के भाषानुवाद तथा सीताराम झा रचित 'नाटक और रंगमंच पर आधारित')

अन्विति 1 नाट्यरस का स्वरूप एवं रसाभिव्यक्ति (देखें - राधावल्लभ त्रिपाठी, संक्षिप्त नाट्यशास्त्र, अध्याय 6) भावाभिव्यक्तिपूर्ण अभिनय तथा विभाव, अनुभाव, स्थायिभाव एवं सात्त्विक भावों का स्वरूप (देखें राधावल्लभ त्रिपाठी, 'संक्षिप्तनाट्यशास्त्र' अध्याय - 7) 6 hrs.

अन्विति 2 अभिनय का अर्थ, चार प्रकार के अभिनय - 1. आङ्गिक, 2. वाचिक, 3. सात्त्विक, 4. आहार्य (देखें सीताराम झा, पृ. 157-62) 5 hrs.

अन्विति 3 नाट्यवस्तु : पटकथालेखनविधि - 1. आधिकारिक तथा प्रासंगिक कथावस्तु, पांच अवस्थाएं, पांच अर्थ -प्रकृतियां, पांच सन्धियां एवं पांच

अर्थोपक्षेपक - कथा संयोजन की दृष्टि से, (देखें-हजारी प्रसाद द्विवेदी सम्पादित 'दशरूपक', प्रथम प्रकाश) पटकथालेखन में चतुर्विध मनोगत चित्तवृत्तियों का निवेश (देखें-दशरूपक, चतुर्थप्रकाश, श्लोक 43-44) संवादलेखन के विविध रूप - 1. सर्वश्राव्य (प्रकाश), 2. अश्राव्य (स्वगत), 3. नियतश्राव्य (जनान्तिक एवं अपवारित), 4. आकाशभाषित (देखें सीताराम झा, पृ. 92-97) 9 hrs.

भाग 'ग'

(नृत्य-नृत्त, गायन और वादनकला)

(भारतेन्दु मिश्र रचित 'भरतकालीन कलायें' एवं 'दशरूपक' तथा 'संक्षिप्तनाट्यशास्त्र' के भाषानुवाद पर आधारित)

अन्विति 1 नृत्य और नृत्त में भेद, दो प्रकार के नृत्त - 1. ताण्डव, तथा 2. लास्य (देखें दशरूपक भाषानुवाद, 1.9-10 एवं भारतेन्दु मिश्र, पृ. 124-29,164.7

3 hrs.

अन्विति 2 नाट्याभिनय में गीत-संगीत का महत्त्व, चार प्रकार के स्वर, ताल और लय, ध्रुवागान तथा उसके पांच भेद -1. प्रावेशिकी, 2. नैष्क्रामिकी, 3. आपेक्षिकी, 4. प्रसादिकी तथा 5. अन्तरा; संगीत में रस का विनियोग (देखें-भारतेन्दु मिश्र, पृ. 175-91) 8 hrs.

अन्विति 3 वादनकला-चार प्रकार के वाद्य - 1. तत, 2. अवनद्ध, 3. सुषिर, 4. घन; स्वर, ताल तथा पद के अनुसार तीन प्रकार का गान्धर्वसंगीत, रंगमंच में गायकों व वादकों की आसनव्यवस्था (देखें राधावल्लभ त्रिपाठी, संक्षिप्त ना.शा. अध्याय 26 तथा भारतेन्दु मिश्र, पृ. 188-90) 4 hrs.

भाग 'घ'

(भारतीय नाट्यपरम्परा एवं रंगमंच का इतिहास)

(राधावल्लभ त्रिपाठी रचित 'भारतीय नाट्य: स्वरूप और परंपरा' तथा सीता राम झा रचित 'नाटक और रंगमंच पर आधारित)

अन्विति 1 नाट्यपरंपरा तथा रंगमंच का उद्भव एवं विकास -

1. प्रागैतिहासिक काल, 2. वैदिक काल, 3. इतिहास-पुराण काल, 4. राजसभा की रंगशाला, 5. मंदिर रंगशाला, 6. खुली रंगशाला

(देखें - राधावल्लभ त्रिपाठी संकलित 'संक्षिप्तनाट्यशास्त्र', पृ. 54-111)
6 hrs.

अन्विति 2 संस्कृत नाटकों के प्रयोग का इतिहास - 1. समुद्रमंथननाटक, 2. कालिदास के नाटक, 3. श्रीहर्ष के नाटक, 4. मृच्छकटिक नाटक, 5. मुद्राराक्षस नाटक, 6. भगवदज्जुकम् प्रहसन (देखें-राधावल्लभ त्रिपाठी संकलित 'संक्षिप्तनाट्यशास्त्र', पृ. 114-29)
6 hrs.

अन्विति 3 आधुनिक रंगमंच - 1. पाश्चात्य रंगमंच, 2. संस्कृत रंगमंच, 3. हिन्दी रंगमंच, 4. लोक रंगमंच, 5. अव्यावसायिक प्रान्तीय रंगमंच, 6. राष्ट्रीय रंगमंच (देखें सीता राम झा, पृ. 163-211) 8 hrs.

[C] प्रश्नपत्र का सामान्य प्रारूप एवं अङ्कविभाजन
(Basic structure of Question Paper & Division of Marks)

---

1. भाग 'क' की प्रथम अन्विति से एक समीक्षात्मक प्रश्न		= 7
2. भाग 'क' की द्वितीय अन्विति से दो लघु टिप्पणियां	5 x 2	= 10
3. भाग 'ख' की प्रथम अन्विति से एक समीक्षात्मक प्रश्न		= 7
4. भाग 'ख' की द्वितीय अन्विति से एक लघु प्रश्न		= 5
5. भाग 'ख' की तृतीय अन्विति से दो लघु टिप्पणियां	5 x 2	= 10
6. भाग 'ग' की प्रथम अन्विति से एक लघु प्रश्न		= 4
7. भाग 'ग' की द्वितीय अन्विति से एक समीक्षात्मक प्रश्न		= 8
8. भाग 'ग' की तृतीय अन्विति से एक लघु टिप्पणी		= 4
9. भाग 'घ' की प्रथम अन्विति से एक समीक्षात्मक प्रश्न		= 7
10. भाग 'घ' की द्वितीय अन्विति से एक लघु प्रश्न		= 5
11. भाग 'घ' की तृतीय अन्विति से दो लघु टिप्पणियां	4 x 2	= 8
	कुल अङ्क	**= 75**

<u>नोट</u> - प्रश्नपत्र में प्रश्न इस प्रकार से पूछे जाएंगे, जिससे प्रत्येक अन्विति के विषयों को युक्तियुक्त रूप में सम्मिलित किया गया हो ।

[D] संस्तुत पुस्तकें (Recommended Books)

(क) प्रमुख स्रोत ग्रन्थ (Main Source Books)

- त्रिपाठी, राधावल्लभ – (सम्पा. एवं संकलन) 'संक्षिप्तनाट्यशास्त्र' हिन्दी भाषानुवाद सहित, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2008
- त्रिपाठी, राधावल्लभ – 'भारतीय नाट्यः स्वरूप और परंपरा', हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, नाट्यशास्त्र और साहित्यशास्त्र अध्ययन केन्द्र, संस्कृत परिषद् से प्रकाशित, सागर, मध्यप्रदेश, 1988
- द्विवेदी, हजारी प्रसाद – (सम्पादन) 'नाट्यशास्त्र की भारतीय परंपरा और दशरूपक', संस्कृत मूल, हिन्दी अनुवाद सहित,राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1963
- झा, सीताराम –'नाटक और रंगमंच', बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना, 1982
- मिश्र, भारतेन्दु – 'भरतकालीन कलाएँ, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली , 2004

(ख) सहायक सन्दर्भ ग्रन्थ (Secondary Reference Books)

- शास्त्री, बाबू लाल शुक्ल – (सम्पा.) 'नाट्यशास्त्र', (1–4 भाग), संस्कृत मूल एवं समीक्षात्मक व्याख्या सहित, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, 1984
- त्रिपाठी, राधावल्लभ – 'नाट्यशास्त्र विश्वकोश', (1–4 भाग), प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली , 1999
- त्रिपाठी, राधावल्लभ – 'भारतीय नाट्यशास्त्र की परम्परा और विश्व रंगमंच, प्रतिभा प्रकाशन, 1999
- चतुर्वेदी, ब्रजमोहन – 'नाट्यशास्त्रम्', विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली, 1998
- मुसलगांवकर, केशव राव – 'संस्कृत नाट्य मीमांसा', परिमल प्रकाशन, दिल्ली, 2003
- शर्मा, शिवशरण – 'आचार्य भरत', मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल, 1971

- शुक्ल, राम लखन – ‘संस्कृत नाट्य कला’ मोतीलाल बनारसी दास, नई दिल्ली, 1970
- राय, गोविन्द चन्द्र – ‘भरतनाट्यशास्त्र में रंगशालाओं के रूप’, काशी, 1958
- मेहता, भानुशंकर – ‘भरतनाट्यशास्त्र तथा आधुनिक प्रासंगिकता’, वाराणसी, 1982
- गैरोला, वाचस्पति – ‘भारतीय नाट्यपरम्परा और अभिनयदर्पण’, इलाहाबाद, 1967
- साराभाई, मृणालिनी – ‘भारतीय नृत्यकला’, लखनऊ, 1965
- चक्रवर्ती, कविता – ‘भारतीय संगीत में वाद्यवृन्द’, जोधपुर, 1991
- लाल, लक्ष्मी नारायण – ‘रंगमंच और नाटक की भूमिका’ दिल्ली 1965
- गर्ग, लक्ष्मी नारायण – ‘भारत के लोकनाट्य’, हाथरस संगीत कार्यालय, 1961
- कीथ, ए.बी. – मूल लेखक, ‘संस्कृत नाटक’, हिन्दी अनुवादक–उदयभानु सिंह, मोतीलाल बनारस दास, दिल्ली,1965
- विश्वेश्वर, आचार्य – ‘हिन्दी अभिनव भारती’, हिन्दी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 1960
- चतुर्वेदी, सीताराम – ‘भारतीय तथा पाश्चात्य रंगमंच, हिन्दी समिति, लखनऊ, 1964
- माथुर, जगदीशचन्द्र– ‘परम्पराशील नाट्य’, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना, 1969
- Ghosh , M.M. - 'Natyasastra of Bharatamuni', ed. Pushpendra Kumar, (4 volumes), New B.B.C. Delhi, 2010
- Mankad, D.R. - 'Ancient Indian Theatre' ed. Anand Charotar Book Stall, 1960
- Wilson, H.H. - 'Theatre of the Hindus', Sushil Gupta, 1955.

and others

- Gupta, C.B. - 'Indian Theatre', Varanasi, 1954.

- Yajnic, R.K. - 'Indian Theatre', London, 1933.
- Tar lekar,G.H. - 'Studies in the Natyasastra with special reference to the Sanskrit Drama in performance' MLBD, Delhi, 1991
- Mehta, Tarla - 'Sanskrit Play Production in Ancient India', MLBD, Delhi,1999.
- Nicoll, Allardyce - 'The Theatre and Dramatic Theory', London, 1962.

Paper 5A – Social Thought in Sanskrit Literature
संस्कृत साहित्य में सामाजिक भावना

Maximum Marks: 100 (75 + 25)

[A] निर्धारित पाठ्यक्रम (Prescribed Course)

भाग 'क'	**वेद** एवं **उपनिषद्**
भाग 'ख'	**रामायण** एवं **महाभारत**
भाग 'ग'	**श्रीमद्भगवद्गीता** एवं **मनुस्मृति**
भाग 'घ'	प्रमुख सामाजिक संस्थाओं पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ

[B] अन्विति-विभाजन (Unitwise Division)

भाग 'क'
(वेद एवं उपनिषद्)

अन्विति 1	ऋग्वेद – संज्ञानम् (10-191), यजुर्वेद – शिवसङ्कल्पसूक्त – 34(1-6), अथर्ववेद – सामनस्यम् (3-30)	10 hrs.
अन्विति 2	ईशावास्योपनिषद् (1-7 मन्त्र), तैत्तिरीयोपनिषद् – शिक्षावल्ली	10 hrs.

भाग 'ख'
(रामायण एवं महाभारत)

अन्विति 1	वाल्मीकिरामायण – अयोध्याकाण्ड – सर्ग 109 के 1-22 पद्य	10 hrs.
अन्विति 2	महाभारत – शान्तिपर्व (अध्याय 191-192) तथा अनुशासनपर्व (अध्याय-105)	10 hrs.

भाग 'ग'
(श्रीमद्भगवद्गीता एवं मनुस्मृति)

अन्विति 1	श्रीमद्भगवद्गीता – 16वाँ अध्याय	10 hrs.
अन्विति 2	मनुस्मृति – द्वितीय अध्याय के 1-40 पद्य	10 hrs.

भाग 'घ'

(सामाजिक संस्थाएँ)

अन्विति 1 सामाजिक संस्थाएं - वर्णाश्रमव्यवस्था, पुरुषार्थचतुष्टय और संस्कार

10 hrs.

[C] प्रश्नपत्र का सामान्य प्रारूप एवं अङ्कविभाजन

(Basic Structure of Question Paper & Division of Marks)

(i)	भाग 'क' की दोनों अन्वितियों से दो-दो मन्त्रों की व्याख्या (कुल चार मन्त्र)	5 x 4 = 20
(ii)	भाग 'ख' की दोनों अन्वितियों से एक-एक पद्य की व्याख्या (कुल दो पद्य)	4 x 2 = 8
(iii)	भाग 'ग' की दोनों अन्वितियों से से एक-एक पद्य की व्याख्या (कुल दो पद्य)	4 + 5 = 9
(iv)	भाग 'क', 'ख', 'ग' से एक-एक समीक्षात्मक प्रश्न (ग्रन्थ व ग्रन्थकार से सम्बद्ध)	8 x 3 = 24
(v)	भाग 'घ' की अन्विति से एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न अथवा दो संक्षिप्त टिप्पणियाँ	7 x 2 = 14
	कुल अङ्क	**= 75**

नोट - प्रश्नपत्र में प्रश्न इस प्रकार से पूछे जाएँगे, जिससे प्रत्येक अन्विति के विषयों को युक्तियुक्त रूप में सम्मिलित किया गया हो।

[D] संस्तुत पुस्तकें (Recommended Books)

मूल-ग्रन्थ

- *ईशावास्योपनिषद्* - (सम्पा०) हनुमान प्रसाद पोद्दार, गीताप्रेस, गोरखपुर.
  - (व्या०) शिवनारायण शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 1996.
  - भूमिका और व्याख्या, (व्या०) शशि तिवारी, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली, 1997.
- *ऋग्भाष्यसङ्ग्रह* - (सम्पा०) देवराज चानना, मुंशीराम मनोहरलाल पब्लिशर्स, दिल्ली, 1983.
- *ऋक्सूक्तसङ्ग्रह* - (सम्पा०) हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ.

- *मनुस्मृति* – ('मन्वर्थमुक्तावली', 'तात्पर्यदीपिका' सहिता) द्वितीयः सप्तमश्च अध्यायः (हिन्दी व्या०, सम्पा०) जगन्नाथ शास्त्री तैलङ्गः, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी, 2002.
  - – कुल्लूक भट्ट विरचित ('मन्वर्थमुक्तावली' टीका सहित), (हिन्दी व्या० सम्पा०) हरगोविन्द शास्त्री, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, 1970.
  - – (द्वितीय व सप्तम अध्याय) कुल्लूकभट्ट विरचित ('मन्वर्थमुक्तावली' टीका सहित), (हिन्दी व्या०, सम्पा०) तीर्थानन्द झा, निर्माण प्रकाशन, दिल्ली, 1985.
  - – (प्रथमाद्वितीयाध्यायौ), कुल्लूककृतमन्वर्थमुक्तावलीभाष्यं, Buhler कृताङ्गलभाषाभाष्यं सत्यभूषणयोगिकृतविद्याधरी-भाष्यञ्च), (सम्पा०) सत्यभूषण योगी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1970.
  - – कुल्लूकभट्ट विरचित (व्या०, सम्पा०) रामेश्वर भट्ट, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थानम्, दिल्ली, 2003.
- *महाभारतम्* (वेदव्यास) – (छह भागों में), (हिन्दी अनु०) रामनारायणदत्त शास्त्री पाण्डेय 'राम', गीताप्रेस, गोरखपुर, संवत् 2053.
- *वेदमञ्जरी* – (सम्पा०) शीला डागा विद्यालंकार, विद्यानिलयम्, दिल्ली, 2001.
- *वेदवल्लरी* – (सम्पा०) पुष्पा गुप्ता, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली, 2004.
- *वेदसमुल्लास* – (सम्पा०) सत्यभूषण योगी एवं वन्दिता मधुहासिनी अरोड़ा, चौखम्बा पब्लिशर्स, वाराणसी, 2002.
- *श्रीमद्भगवद्गीता* – शांकरभाष्यसहित (हिन्दी अनु०) हरिकृष्णदास गोयन्दका, गीताप्रेस, गोरखपुर, संवत् 2049.
  - – तत्त्वविवेचिनी हिन्दी टीका सहित, (टीका०) जयदयाल गोयन्दका, गीताप्रेस, गोरखपुर, संवत्
  - – मधुसूदन सरस्वती कृत गूढार्थदीपिका संस्कृत टीका तथा प्रतिभा भाष्य (हिन्दी) सहित, (व्या०) मदनमोहन अग्रवाल, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी, 1994.

– एस० राधाकृष्णन् कृत व्याख्या का हिन्दी अनुवाद, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली, 1969.

- *Rgveda Samhita* (7 vols.) – Text in Devnagri, English translation & notes by H.H. Wilson, Nag Publishers, Delhi, 1977.
- *Yajurveda Samhita* – Sanskrit text with English translation of R.T.H. Griffith, edited and revised by Dr. Ravi Prakash Arya, Parimal Publication, Delhi, 1997.
- *Atharva-Veda-Samhita* (2 Vols.) – Text with English translation by William Dwight Whitney, revised & edited by Nag Sharan Singh, Nag Publishers, Delhi, 1987.
- *Srimad-Valmiki-Ramayana* (3 Vols.) – Sanskrit text & English translation, Gita Press, Gorakhpur, 1995.
- *Srimadbhagvadgita Tattvavivecani* – English commentary by Jayadayal Goyandka, Gita Press, Gorakhpur, 1997.

सहायक ग्रन्थ

- काणे, पी.वी. – *धर्मशास्त्र का इतिहास,* उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ.
- गहमरी, मान्धाता सिंह – *गीता और विज्ञान,* बिहार, 1977.
- जैन, कैलाशचन्द्र – *प्राचीन भारतीय सामाजिक और आर्थिक संस्थाएँ,* मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल, 1976.
- जोशी, किरीट – *वैदिक वाङ्मय : एक झलक* Glimpses of Vedic Literature का शशि तिवारी द्वारा हिन्दी अनुवाद, स्टैण्डर्ड पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 2002.
- शशिप्रभा कुमार – *वैदिक विमर्श,* जे.पी. पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1992.
- सुवीरा जायसवाल – *वर्णजाति व्यवस्था : उद्भव, प्रकार्य और रूपान्तरण,* ग्रन्थशिल्पी, दिल्ली, 2004.

Paper 5B – Culture, Philosophy & Religion in Ancient India
प्राचीन भारत की संस्कृति; धर्म एवं दर्शन

Maximum Marks: 100 (75 + 25)

[A] निर्धारित पाठ्यक्रम (Prescribed Course)

भाग 'क' **वैदिक साहित्य**

भाग 'ख' **प्राचीन भारतीय संस्कृति के चयन किये गए प्रमुख पक्ष**

भाग 'ग' **धर्म एवं दर्शन**

[B] अन्विति-विभाजन (Unitwise Division)

भाग 'क'

(वैदिक साहित्य)

अन्विति 1 संहिताएँ (विशेषतः ऋग्वेद), ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद्, षड्वेदाङ्ग एवं सूत्रसाहित्य । 20 hrs.

भाग 'ख'

(प्राचीन भारतीय संस्कृति के चयन किये गए प्रमुख पक्ष)

अन्विति 1 वर्णाश्रम-व्यवस्था, पुरुषार्थ-चतुष्टय, विवाह एवं परिवार, प्राचीन भारतीय शिक्षाप्रणाली, प्राचीन भारत में नारी की स्थिति 20 hrs.

भाग 'ग'

(धर्म एवं दर्शन)

अन्विति 1 वैदिक धर्म एवं दर्शन, उपनिषदों का दर्शन, वैष्णव, शैव एवं शाक्त धर्मों का उद्भव व विकास 15 hrs.

अन्विति 2 पूर्वमीमांसा, उत्तरमीमांसा (वेदान्त), सांख्य, योग, न्याय एवं वैशेषिक 15 hrs.

[C] प्रश्नपत्र का सामान्य प्रारूप एवं अङ्कविभाजन
(Basic Structure of Question Paper & Division of Marks)

(i)	भाग 'क' एवं भाग 'ख' से एक-एक दीर्घ उत्तरीय विवेचनात्मक प्रश्न	11 + 10 = 21
(ii)	भाग 'क' एवं भाग 'ख' से दो-दो टिप्पणियाँ	5 x 4 = 20
(iii)	भाग 'ग' की प्रत्येक अन्विति से एक-एक दीर्घ-उत्तरीय विवेचनात्मक प्रश्न	11 x 2 = 22
(iv)	भाग 'ग' की प्रत्येक अन्विति से एक-एक टिप्पणी	6 x 2 = 12
		कुल अङ्क = 75

नोट - प्रश्नपत्र में प्रश्न इस प्रकार से पूछे जाएँगे, जिससे प्रत्येक अन्विति के विषयों को युक्तियुक्त रूप में सम्मिलित किया गया हो।

[D] संस्तुत पुस्तकें (Recommended Books)

संस्कृत ग्रन्थ

- उपाध्याय:, रामजी – *भारतस्य सांस्कृतिक-निधि:*, सागर, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली (पुनर्मुद्रित)।

हिन्दी ग्रन्थ

- अल्तेकर, ए.एस. – *प्राचीन भारत में शिक्षा*, दिल्ली
- उपाध्याय, बलदेव – *वैदिक साहित्य और संस्कृति*, शारदा मंदिर, वाराणसी।
  – भारतीय दर्शन, शारदा मन्दिर, वाराणसी, 2001.
  – *संस्कृत साहित्य का इतिहास*, शारदा मन्दिर, वाराणसी, 1953.
- उपाध्याय, रामजी – *भारतीय संस्कृति का उत्थान*, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
- काणे, पी.वी. – *धर्मशास्त्र का इतिहास*, उत्तर प्रदेश, हिन्दी संस्थान, लखनऊ।
- कोसम्बी, डी.डी. – *प्राचीन भारत की संस्कृति और सभ्यता*, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- प्रीतिप्रभा गोयल – *भारतीय संस्कृति*, राजस्थानी ग्रन्थागार, जयपुर।
- जायसवाल, सुवीरा – *वर्णजातिव्यवस्था : उद्‌भव, प्रकार्य और रूपान्तरण*, ग्रन्थशिल्पी, दिल्ली, 2004
- ज्ञानी, शिवदत्त – *भारतीय संस्कृति*, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
- किरण टण्डन – *भारतीय संस्कृति*, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली।
- दिनकर, रामधारी सिंह – *संस्कृति के चार अध्याय*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- द्विवेदी, पारसनाथ : *भारतीय दर्शन*, श्रीराम मेहरा एवं सन्स, आगरा, 1973
- पाण्डेय, राजबली – *हिन्दू संस्कार*, चौखम्भा, दिल्ली।
- पुष्पा गुप्ता : *संस्कृत साहित्य का विशद इतिहास*, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली, 1994.
- बाशम, ए.एल. – *अद्‌भुत भारत*, शिवलाल अग्रवाल एण्ड कम्पनी, आगरा।
- भण्डारकर, आर.जी. – *वैष्णव, शैव और अन्य धार्मिक मत*, अनुवाद – माहेश्वरी प्रसाद, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली।

- यदुवंशी – *शैव मत,* बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना, 1955
- राधाकृष्णन्, सर्वपल्ली – *भारतीय संस्कृति : कुछ विचार,* राजपाल प्रकाशन, दिल्ली।
- श्रीमाली, कृष्णमोहन – *धर्म, समाज और संस्कृति,* ग्रन्थशिल्पी प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली।
- सिंह, राजकिशोर – *भारतीय संस्कृति,* विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।

अंग्रेजी ग्रन्थ

- Acharya, P.K. – *Glories of India*
- Altekar, A.S. – *Education in Ancient India*, Delhi.
- Altekar, A.S. – *Position of Women in Hindu Civilizati*on, MLBD, Delhi.
- Basham, A.L. – *The Wonder that was India,* London.
- Chatterjee, S.C. & D.M. Dutt : *Introduction to Indian Philosophy*, Calcutta (हिन्दी अनुवाद - *भारतीय दर्शन*).
- Bhandarkar, R.G. – *Vaiśṇavism, Śaivism and minor Religious Systems*, Delhi.
- Dandekar, R.N. – Vedic Religion & Mythology : A Survey of the Works of Some Western Scholars, University of Poona, Poona, 1965.
- De Bary, Theodore & others – Sources of Indian Tradition, MLBD, Delhi, 2nd edn., 1963.
- Hiriyana, M. - *Outlines of Indian Philosophy*, MLBD, Delhi.
- Kane, P.V. – *History of Dharmashastra*, Vol. II, BORI, Poona.
- Majumdar, R.C. – *Ancient India*, Delhi.
- Mookerjee, R.K. – *Ancient Indian Education*, MLBD, Delhi.
- Nehru, Jawaharlal – *The Discovery of India,* Penguin Books, New Delhi.
- Sacchidanandamurty, K. – *Life, Thought and Culture in India* (AD 300-1000) PHISPC, Vol. II, Pt. 1 (MLBD, Delhi).
- Vaidya, C.V. – *Epic India,* Delhi.

* * *

Paper 6 – Grammar, Epistemology & Management
व्याकरण, प्रमाणमीमांसा एवं प्रबन्धन

Maximum Marks: 100 (75 + 25)

[A] निर्धारित पाठ्यक्रम (Prescribed Course)

भाग 'क' **लघुसिद्धान्तकौमुदी** (वरदराज) - **अच्सन्धि**

भाग 'ख' **तर्कसंग्रह** (अन्नम्भट्ट) **एवं तर्कशास्त्र**

भाग 'ग' **वेद, आरण्यक** एवं **कौटिल्य अर्थशास्त्र**

[B] अन्विति-विभाजन (Unitwise Division)

भाग 'क'

(लघुसिद्धान्तकौमुदी)

अन्विति 1 अच्सन्धि (सूत्रावबोधसहित) - इको यणचि (6-1-74), तस्मिन्निति निर्दिष्टे पूर्वस्य (1-1-65), स्थानेऽन्तरतमः (1-1-49), एचोऽयवायावः (6-1-75), यथासंख्यमनुदेशः समानाम् (1-3-10), अदेङ् गुणः (1-1-2), तपरस्तत्कालस्य (1-1-69), आद् गुणः (6-1-84), उपदेशेऽजनुनासिक इत् (1-3-2), उरण् रपरः (1-1-50), वृद्धिरादैच् (1-1-1), वृद्धिरेचि (6-1-85), एङि पररूपम् (6-1-91), अकः सवर्णे दीर्घः (6-1-97)
20 hrs

भाग 'ख'

(तर्कसंग्रह एवं तर्कशास्त्र)

अन्विति 1 बुद्धि, स्मृति, यथार्थानुभव, (प्रमा), प्रमाण, प्रत्यक्ष प्रमाण, प्रत्यक्ष ज्ञान, निर्विकल्पक एवं सविकल्पक प्रत्यक्ष और षड्विध इन्द्रियार्थसन्निकर्ष (तर्कसंग्रह के अनुसार) 10 hrs

अन्विति 2 भारतीय दर्शन में तर्क का स्वरूप; तर्कभेद (व्याघात, आत्माश्रय, अन्योन्याश्रय या इतरेतराश्रय, चक्रक, अनवस्था, प्रतिबन्धि-कल्पना, कल्पनागौरव, कल्पनालाघव, उत्सर्ग, अपवाद, वैजात्य, केवलानिष्टप्रसङ्ग) 10 hrs

भाग 'ग'

(वेद, आरण्यक एवं कौटिल्य अर्थशास्त्र)

अन्विति 1 जल-संरक्षण : ऋग्वेद (1-23-20), (10-137-6); अथर्ववेद (1-4-2); तैत्तिरीय आरण्यक (1-26-7)

वायु-संरक्षण : ऋग्वेद (1-134-6), (10-168-4), (10-186-1), (10-186-2); यजुर्वेद (20-15)

वृक्ष-संरक्षण : ऋग्वेद (10-97-2), (10-97-4), (10-8-31); अथर्ववेद (18-1-17)

भूमि-संरक्षण - अथर्ववेद (12-1-11), (12-1-12), (12-1-27), (12-1-35), (12-1-62)

प्रकृति का सामञ्जस्य - यजुर्वेद (36-17), अथर्ववेद (19-9-2), (19-9-3)

20 hrs

अन्विति 2 कौटिलीय अर्थशास्त्र : द्वितीय अधिकरण का 22वाँ अध्याय - 'शुल्कव्यवहारः'

10 hrs

[C] प्रश्नपत्र का सामान्य प्रारूप एवं अङ्कविभाजन
(Basic Structure of Question Paper & Division of Marks)

(i)	भाग 'क' की अन्विति से किन्हीं दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या	5 + 5 = 10
(ii)	भाग 'क' की अन्विति से किन्हीं तीन से सम्बद्ध सूत्रनिर्देशपूर्वक सन्धि	4+4+4=12
(iii)	भाग 'ख' की प्रत्येक अन्विति से एक-एक पर टिप्पणी	6+6 = 12
(iv)	भाग 'ख' की प्रथम अन्विति से एक विवेचनात्मक प्रश्न	8
(v)	भाग 'ग' की अन्विति से किन्हीं दो मन्त्रों की तथा अन्विति 2 से एक पद्य की व्याख्या	7+7+6 = 20
(vi)	भाग 'ग' की अन्विति 1 और 2 से एक-एक समीक्षात्मक टिप्पणी	7+6 = 13
	कुल अङ्क	**= 75**

नोट - प्रश्नपत्र में प्रश्न इस प्रकार से पूछे जाएँगे, जिससे प्रत्येक अन्विति के विषयों को युक्तियुक्त रूप में सम्मिलित किया गया हो।

[D] संस्तुत पुस्तकें (Recommended Books)

मूल ग्रन्थ

- *अथर्ववेद का सुबोध भाष्य* - श्रीपाद दामोदर सातवलेकर, पारडी.
- *ऋग्भाष्यसङ्ग्रह* - (सम्पा०) देवराज चानना, मुंशीराम मनोहरलाल पब्लिशर्स, दिल्ली, 1983.
- *ऋक्सूक्तसङ्ग्रह* - (सम्पा०) हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ.
- *कौटिलीय अर्थशास्त्रम्* - हिन्दी-व्याख्योपेतम्, (व्या०) वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 1966.
  - (अनु०) उदयवीर शास्त्री, मेहरचन्द लछमनदास, दिल्ली, 1970.
- *तर्कसङ्ग्रह* - अन्नम्भट्ट, तर्कदीपिका सहित, (हिन्दी टीका०) दयानन्द भार्गव, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1999.

- – अन्नम्भट्ट, स्वोपज्ञ दीपिका सहित, (हिन्दी अनु० व व्या०), कांशीराम एवं सन्ध्या राठौर, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 2007.

- *लघुसिद्धान्तकौमुदी* – रामनारायणदत्तशास्त्रिणा टिप्पणादिभिः समलङ्कृता, गीताप्रेस, गोरखपुर, संवत् 2023.
  - – निर्णय सागर प्रेस, मुम्बई.
  - – (भाग 1–2), (व्या०) महेश सिंह कुशवाहा, दिल्ली.
  - – (भाग 1–3), (व्या०) गोविन्द प्रसाद शर्मा, वाराणसी, 2007.
  - – (भाग 1), भैमी व्याख्या, (व्या०) भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन, दिल्ली.
  - – मूल व हिन्दी व्याख्या, (व्या०) धरानन्द शास्त्री, दिल्ली.
  - – (व्या०) सत्यपाल सिंह, दिल्ली, 2008.
- *वेदमञ्जरी* – (सम्पा०) शीला डागा विद्यालङ्कार, विद्यानिलयम्, दिल्ली, 2001.
- *वेदवल्लरी* – (सम्पा०) पुष्पा गुप्ता, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली, 2004.
- *वेदसमुल्लास* – (सम्पा०) सत्यभूषण योगी एवं वन्दिता मधुहासिनी अरोड़ा, चौखम्बा पब्लिशर्स, वाराणसी, 2002.

सहायक ग्रन्थ

- उपाध्याय, बलदेव – *वैदिक साहित्य और संस्कृति*, शारदा संस्थान, वाराणसी, 1973.
  - – *संस्कृत साहित्य का इतिहास*
- ऋषि, उमाशंकर शर्मा – *संस्कृत साहित्य का इतिहास*, चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी, 1999.
- जोशी, किरीट – *वैदिक वाङ्मय : एक झलक* (हिन्दी अनु० शशि तिवारी द्वारा Glimpse of Vedic Literature का), स्टैण्डर्ड पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 2002.
- जोशी, रसिक बिहारी एवं खण्डेलवाल, जयकिशन प्रसाद – *वैदिक साहित्य की रूपरेखा*, साहित्य निकेतन, कानपुर,1975.
- त्रिपाठी, रमाशंकर – *संस्कृत साहित्य का प्रामाणिक इतिहास*, कृष्णदास अकादमी, वाराणसी, 1996.

- माईणकर, टी.जी – *संस्कृत भाषा एवं साहित्य का संक्षिप्त इतिहास,* राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, 1978.
- व्यास, भोलाशंकर – *संस्कृतकविदर्शन,* चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी.
- शशि तिवारी – संस्कृत साहित्य का इतिहास, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली, 1999.
- शशिप्रभा कुमार – *वैदिक विमर्श,* जे.पी. पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1992.
- Macdonell, Arthur A. – *A History of Sanskrit Literature*, 2004.
- Keith, Arthur Berriedale – *A History of Sanskrit Literature*, Motilal Banarsidass, Delhi, 1996.
- Chaubey, Braj Bihari & Shastri, Kantanath – *New Vedic Selection*, Bharatiya Vidya Prakashan, Varanasi, 1981.
- Macdonell, A.A. – *Vedic Reader for Students*, Oxford University Press, Delhi, 1960.
- Oldenberg, Herman – *Religion of the Veda* (translation into English by Shridhar & Shrotri), Motilal Banarasidass, Delhi, 1988.
- Datta, D.M. – *The Six Ways of Knowing*, University of Calcuuta, Calcutta.